>

Title: Need for proper mechanism to curb fake currency menance.

**श्री दत्ता मेघे (वर्धा):** महोदय, मैं सरकार का ध्यान जाली नोटों की ओर दिलाना चाहता हूं। हम आए दिन अखबरों में या टीवी पर जाली नोट की खबर पढ़ते या सुनते हैं। हम सभी का कभी न कभी जाली नोटों से पाला पड़ा है। जाली नोटों का यह कारोबार दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। जाली नोटों का मिलना या पकड़े जाना सामान्य बात बन गई है। जाली नोट बनाने के पीछे अपराधिक तत्व हैं। यह हमारे देश के खिलाफ आर्थिक षडयंत्र है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इसे अपराधिक तत्वों का कार्य मान लिया गया है। प्रतिदिन कहीं न कहीं जाली नोट पकड़े जाते हैं और इससे यह पता चलता है कि जाली नोटों का व्यापार किस तरह अपने पैर फैला रहा है। कुछ दिन पहले 1000 और 500 के जाली नोट ही थे और अब 100 के जाली नोट आने लगे हैं। जाली नोटों का कारोबार गांव तक पहुंच चुका है। गांव में भोले भाले लोग आसानी से फंस जाते हैं। कई गांवों में इन नोटों के कारण झगड़े हुए हैं, पुलिस केस हुए हैं। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि गांव में जाली नोटों का पहुंचना हमारी कमजोरी को उजागर करता है। यह षडयंत्र पूरे देश में चल रहा है। जाली करेंसी का चलना कोई सामान्य बात नहीं है। इसे समय रहते रोकना चाहिए क्योंकि यह हमारी पूरी अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकता है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस समस्या को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जिससे हमारे देश के विकास और अर्थव्यवस्था में कोई बाधा न आए।